

वर्धा में भी बनेगी साइबर फॉरेंसिक लैब

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन डिजिटल फॉरेंसिक के साथ ट्रेनिंग सेंटर भी खुलेगा

गुणवंती परस्ते | पुणे

महाराष्ट्र में बढ़ते साइबर अपराधों की जांच को मजबूत करने के लिए पुणे के बाद अब वर्धा में बड़ी साइबर फॉरेंसिक लैब बनाई जाएगी। वहां 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन डिजिटल फॉरेंसिक' शुरू किया जाएगा। खास बात यह है कि वर्धा में केवल साइबर अपराधों से जुड़े डिजिटल सबूतों की जांच ही नहीं होगी, बल्कि फॉरेंसिक जांच को लेकर ट्रेनिंग सेंटर भी बनाया जाएगा। इसमें महाराष्ट्र पुलिस और दूसरी जांच एजेंसियों के साथ न्यायिक व्यवस्था से जुड़े लोगों को भी फॉरेंसिक से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाएगा।

राज्य फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला निदेशालय के निदेशक डॉ. विजय जे. ठाकरे ने बताया कि मुख्यमंत्री की संकल्पना



के तहत राज्य में फॉरेंसिक व्यवस्था का विस्तार किया जा रहा है। इसके तहत मौजूदा मिनी फॉरेंसिक लैब को रीजनल फॉरेंसिक लैब में बदला जाएगा। राज्य में बढ़ती आबादी के साथ अपराधों की संख्या भी बढ़ रही है। इस कारण फॉरेंसिक जांच की जरूरत और जांच के लिए आने वाले मामलों का दबाव भी बढ़ा है। इसी को देखते हुए सरकार ने फॉरेंसिक सुविधाओं को जिलों के और करीब पहुंचाने की योजना बनाई है।

चंद्रपुर, धुले, ठाणे, सोलापुर और रत्नागिरी की मिनी लैब बनेंगी रीजनल लैब

योजना के तहत चंद्रपुर, धुले, ठाणे, सोलापुर और रत्नागिरी में मौजूद मिनी फॉरेंसिक लैब को रीजनल फॉरेंसिक लैब में बदला जाएगा। अभी मिनी लैब में मुख्य रूप से बायोलॉजी और टॉक्सिकोलॉजी से संबंधित जांच की सुविधा उपलब्ध है। उन्हें रीजनल लैब में बदलने के बाद फॉरेंसिक जांच से जुड़ी अन्य सुविधाएं भी एक ही जगह उपलब्ध हो सकेंगी। इससे जांच के नमूनों को दूसरे शहरों की प्रयोगशालाओं में भेजने की जरूरत कम होगी और जांच में लगने वाला समय भी कम करने में मदद मिलेगी। फिलहाल मुंबई, पुणे, नाशिक, कोल्हापुर, छत्रपति संभाजीनगर, अमरावती और नांदेड़ में रीजनल फॉरेंसिक लैब की सुविधाएं उपलब्ध हैं। पांच मिनी लैब के अपग्रेड होने के बाद राज्य में रीजनल स्तर पर फॉरेंसिक जांच का नेटवर्क और बड़ा हो जाएगा। इसका फायदा स्थानीय पुलिस के साथ अलग-अलग मामलों की जांच करने वाली एजेंसियों को भी मिलेगा।